

Rath: तया उर्मलिते द्यूतम् MBh. 5, 4262. नूनं उर्मलिते तव । यत् 7431. परभवो द्वैतवने य आसीदुर्मलिते घोषयात्रागतानाम् 710. उर्मलिते तव 8, 2697. 6, 507. मम उर्मलितेनाज्ञो 523.

उर्मलित् (2. डृप् + म°) m. ein schlechter Rathgeber, — Minister PAÑKAT. III, 244. BENFAY: adj. schlechte Minister habend.

उर्मन्मन् (2. डृप् + म°) adj. übelgesinnt RV. 8, 49, 7.

उर्मर (2. डृप् + मर) 1) adj. dem Tode nicht leicht anheimfallend: जी-वाय्यर्जुन उर्मरः MBh. 16, 153. उर्मरं वा एतस्यायुः CAT. Br. 6, 7, 3, 2. n. schwer zu sterben, ein schweres Sterben: उर्मरं वत । ध्रुवो ऽस्या कृदयं देव्या दृष्टं यत्र विदीर्यते ॥ MBh. 14, 2362. उर्मरं पुरुषेणेक मन्ये काधन्य-नागते । यत्र नाहं न मे माता विप्रयुज्येत जीवितात् ॥ 2364. 1817. 2015. 11, 591. Eben so उर्मरत्वं (nom. abstr.) n.: उर्मरत्वमहं मन्ये नृणां कृच्छ्रे ऽपि वर्तताम् । यत्र कर्णे कृतं श्रुत्वा नात्यज्जिवितं नयः ॥ 8, 21. — 2) f. या eine best. Grasart, = ह्रवी (s. d.) GATILIN. im ÇKDr. = श्वेतह्रवी RIGAN. im ÇKDr.

उर्मरायु (2. डृप् + म°) adj. nicht leicht zum Tode zu bringen: तेन कृ-न्मि सपत्नौ उर्मरायुम् TS. 1, 6, 3, 2.

उर्मर्ष (2. डृप् + मर्ष) 1) adj. f. या a) unvergesslich: यच्छ्रुत्वा इमं कृवं उर्मर्षं चक्रिया उत RV. 8, 45, 18. आङ्गवर्षं पर्वमानं सखायो उर्मर्षं साकं प्र वेदति वाणाम् 9, 97, 8. उर्मर्षमायुः श्रिये ह्वानः 10, 45, 8. — b) unleidlich, unerträglich; aufässig: विप्रियं BULG. P. 6, 5, 42. रुज् 8, 11, 18. यद-र्थमदधादूयं मात्स्यं लोकजुत्पितम् । तमःप्रकृति उर्मर्षम् 24, 2. कृदय 4, 4, 30. स्त्रियः 9, 14, 37. विद्वेषनष्टमतयः स्त्रियो दारुणचेतसः । गरं दडुः कुमाराय उर्मर्षा नृपतिं प्रति ॥ 6, 14, 43. — 2) m. Bein. des Asura Bali BULG. P. 8, 10, 32. 42.

उर्मर्षाणी (2. डृप् + म°) 1) adj. P. 3, 3, 130, VArtt. 2. mit dem man schwer fertig wird: एष उर्मर्षणो युद्धे R. 6, 3, 33. क्रूरो उर्मर्षणो नित्यम-संतुष्टश्च MBh. 11, 32. तेन त्वां मर्षये शक्र उर्मर्षणतरस्त्वया 12, 8293. als Beiw. Vishnu's 13, 6971. — 2) m. N. pr. a) eines der 100 Söhne des Dhṛtarāṣṭra MBh. 1, 2447. 2730. 4542. 6, 2647. 2652. 7, 5564. 9, 1404. — b) eines Sohnes des Śrṅgaja BULG. P. 9, 24, 41.

उर्मर्षित (2. डृप् + म°) adj. aufässig gemacht, aufgehetzt MBh. 14, 2314.

उर्मलिका f. = उर्मली SĀH. D. 205, 8.

उर्मली (2. डृप् + मल) f. eine Art Schauspiel SĀH. D. 553.

उर्मात्सर्य (2. डृप् + मा°) n. böser Neid BHART. 3, 31.

उर्मायिन् (2. डृप् + मा°) adj. böse Künste anwendend BULG. P. 8, 11, 6.

उर्मायु (2. डृप् + मा°) adj. dass.: उर्मयवो इरेवा मर्त्यासः RV. 3, 30, 15.

उर्मित्र (2. डृप् + मि°) 1) adj. unfreundlich RV. 7, 18, 15. उर्मित्रातो हि क्षितयः पर्वते 28, 4. 10, 105, 11. TAHT. ÅR. 4, 11, 42. 10, 1, 11. — 2) m. N. pr. des Liedverfassers von RV. 10, 105. Ind. St. 3, 219. eines Für- sten VP. 478, N. 17. — 3) f. या N. pr. eines Frauenzimmers gaṇa बा-ह्नादि zu P. 4, 1, 96.

उर्मित्रियं (2. डृप् + मि°) adj. unfreundlich VS. 6, 22.

उर्मिला (2. डृप् + मिल) f. N. zweier Metra: 1) 4 × 52 Moren Co-LEBR. Misc. Ess. II, 137 (III, 38). — 2) 4 × 8 Anapaesten ebend. 163 (XIX, 2).

उर्मिलिका f. N. eines Metrums, = उर्मिला 1. COLEBR. Misc. Ess. II, 157 (III, 38).

III. Theil.

उर्मुख (2. डृप् + मुख) 1) adj. f. ई a) ein garstiges, entstelltes Gesicht habend R. 3, 23, 15. 5, 17, 27. 6, 74, 10. BHART. 1, 89. VRT. 9, 15. 10, 13. त्रपं दत्तुर्उर्मुखम् KATHIS. 12, 52. von Çiva MBh. 12, 10428. — b) ein bö- ses Maul —, eine böse Zunge habend AK. 3, 1, 36. H. 351. an. 3, 113. MED. kh. 10. BHART. 2, 59. — 2) m. a) Pferd H. an. — b) N. pr. α) ei- nes Fürsten der Pañkāla AIR. Br. 8, 23. MBh. 2, 116. — β) eines der 100 Söhne des Dhṛtarāṣṭra MBh. 1, 2725. 2728 (vgl. 2730). 4542. 4, 1151. 5, 2503. — γ) eines Astronomen Ind. St. 1, 248. 250. — δ) eines Rakshas R. 5, 80, 3. BULG. P. 9, 10, 18. — ε) eines Nāga H. 1311, Sch. H. an. MED. MBh. 16, 120. HARIV. 229. VP. 149, N. 16. = सर्प Schlange TRIN. 3, 3, 49. — ζ) eines Jaksha BRAHMA-P. in Verz. d. Oxf. H. 18, b, 36. — η) eines Affen H. an. MED. R. 4, 39, 24. 6, 4, 8. 32, 17. — θ) eines Heer- führers des Asura Mahisha ÇKDr. (इति चाण्डी). — c) Bez. des 29sten Jahres im 60jährigen Jupiter-Cyclus VARAH. BRU. S. 8, 38. ad SÜRJAS. 1, 55. — Vgl. दैर्मुखि.

उर्मूर्हत (2. डृप् + मु°) m. n. eine unheilvolle Stunde MBh. 12, 6735.

उर्मूल्य (2. डृप् + मूल°) adj. theuer (Gegens. wohlfeil) ÇKDr. WILS.

उर्मैध (2. डृप् + मेधा) adj. f. या geringen Verstand habend, dumm, einfüllig BULG. P. 1, 4, 17. 24. उर्मैधे f. VOC. BRAHMAN. 1, 21. R. GORR. 1. 49, 32. R. Schl. 2, 37, 21.

उर्मैधस् adj. dass. P. 5, 4, 122. VOP. 6, 27. MBh. 3, 375. 16192. 4, 1404. R. 1, 23, 11. 3, 10, 13. 6, 16, 85. PAÑKAT. 3, 12. Von den Grammatikern für die allein gültige Form angesehen.

उर्मैधस्त्व (vom vorherg.) n. Mangel an Verstand, Einfülligkeit SUÇR. 1, 313, 1. 336, 8.

उर्मैधाविन् (2. डृप् + मे°) adj. = उर्मैध MBh. 12, 9486.

उर्मैत्र (2. डृप् + मैत्र) adj. feindselig BULG. P. 7, 5, 27.

उर्मोक्त (2. डृप् + मोक्त) m. N. eines Baumes, = काकतुण्डी RIGAN. im ÇKDr. उर्मोक्ता f. u. dem letzten Worte; die übrigen Synonyme sind gleichfalls weiblich.

डूर्य (von 1. डूर) 1) adj. zur Thür —, zum Hause gehörig: यूप RV. 1, 51, 14. अग्निं वो डूर्यं वचं स्तुषे श्रूषस्य मन्मभिः 8, 63, 1. 7, 1, 11. 2, 38, 5. देवी VS. 5, 17. — 2) m. pl. fores (viell. Thürpfosten); Wohnung: दं- कृता डूर्याः पृथिव्याम् VS. 1, 11. इमान्द्राण्डूर्या अयेहि TS. 1, 6, 3, 1. प्रि- या धर्म्यो डूर्या अशोमहि RV. 10, 40, 12. 4, 91, 19. Auch f. pl.: प्रजावती- षु डूर्यासु RV. 7, 1, 11. 4, 1, 9. 18. 2, 12. — Vgl. हार्य.

डूर्यशस् (2. डृप् + य°) n. Unehre NĀISU. 1, 80.

डूर्यामन् (2. डृप् + या°) m. N. pr. eines Fürsten VP. 443. Andere Autt.: डूर्यम.

डूर्युज् (2. डृप् + युज्) adj. schwer anzuspannen: अश्व RV. 10, 44, 7.

डूर्योग (2. डृप् + योग) m. Hinterlist MBh. 1, 1316.

डूर्योणं n. wohl = डूर्योण Behausung: नि डूर्योणे कुर्याच मृधि श्रेत् RV. 1, 174, 7. नि डूर्योणे श्रवणाश्रुधवाचः 5, 29, 10. 32, 8. Nach SĀJ. zu- sammenges. aus 2. डृप् + योनि, Padap. aber behandelt das Wort nicht als comp.

डूर्योध (2. डृप् + योध) adj. schwer zu bekämpfen VOP. 26, 199.

डूर्योधर्न (2. डृप् + यो°) 1) adj. P. 3, 3, 130, VArtt. 1. VOP. 26, 199. schwer zu bekämpfen; davon डूर्योधनता f. nom. abstr.: मोघं तवेदं (Dur-